हरिभूमि

शौर्य भूमि

5

जबलपुर, सोमवार 29 अप्रैल 2024

login : www.haribhoomi.com

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

अखिलेश बनें अध्यक्ष, साजिश बनें महामंत्री

मण्डला। अधिवक्ता संघ की बैठक डिंडोरी के सभा कक्ष में अधिवक्ता सुनील गुप्ता प्रांतीय सचिव अधिवक्ता परिषद महाकौशल प्रांत जबलपुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें मंडला एवं डिंडोरी जिले के पदाधिकारियों की घोषणा की गई मंडला जिले से अधिवक्ता अखिलेश दुबे को अध्यक्ष, अधिवक्ता साजिश यादव को महामंत्री, अधिवक्ता राहुल राय को कोषाध्यक्ष एवं अधिवक्ता श्रीमती सुमिता नामदेव को महिला प्रमुख नियुक्ति किया गया है तथा शीघ्र ही जिले के अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी घोषणा की जावेगी अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ा अधिवक्ताओं का एक भारतीय संगठन है। इसका उद्देश्य एक ऐसी न्यायिक प्रणाली के लिए काम करना है जो राष्ट्र की प्रतिभा के अनुरूप और भारतीय परंपराओं के अनुरूप हो।

बढ़ती गर्मी के चलते रहवासी क्षेत्र की तरफ रूख कर रहे वन्यप्राणी

मण्डला। बढ़ती गर्मी और तेज तपन का असर अब वन क्षेत्रों में दिखने लगा है। जिसके कारण जल स्त्रोतों में पानी की कमी शुरू होने लगी है। जिसके कारण वन्य प्राणियों का जंगल की ओर से रहवासी क्षेत्र की तरफ रूख हो गया है। रविवार को जंगल से भटक कर एक हिरण रहवासी क्षेत्र की ओर आ गया। जहां आवारा श्वानों ने हमला कर दिया। जिससे हिरण की मौत हो गई। जानकारी अनुसार मंडला जिले के ग्राम हिरदेनगर तलैया टोला में कुछ श्वानों ने जंगल से भटक कर आए हिरण को अपना शिकार बना लिया। आवारा श्वानों ने हिरण पर हमला बोल दिया, जिससे हिरण गंभीर घायल हो गया और हिरण की मौत गई। बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी श्वानों की संख्या बढऩे से हिरणों केअस्तित्व पर खतरे आ गया है। जिले में सघन जंगल होने से हिरण समेत अन्य वन्य जीव सुरक्षित थे। बसाहट बढऩे से वन भूमि भी सिमटने लगी है। लोगों की बसाहट के साथ आवारा श्वानों का दखल भी बढ़ गया है। बढ़ती गर्मी के कारण जंगल से लगे और जंगल के आसपास के ग्रामों के पास स्थित जल स्त्रोतों में अब वन्य प्राणियों की दस्तक देखी जा सकती है। अधिकत्तर चीतल, हिरण समेत अन्य वन्यप्राणी रहवासी क्षेत्र के जल स्त्रोंतों में देखे जा सकते है। बताया गया कि कुत्तों की बढ़ती संख्या समस्या बनी हुई है। शिकार के कारण हर साल वन क्षेत्रों के आसपास हिरण व चीतल श्वानों का शिकार बन जाते है। संबंधित विभाग की ओर से कोई कारगर कदम नहीं उठाए जाने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में भी श्वानों का आतंक बना रहता है। सुरक्षा के उपाय नहीं किए जाने की वजह से श्वान हिरण, चीतल समेत गांव के गाय, बकरी, बछड़े को भी अपना शिकार बनाते हैं। बताया गया कि आए दिन अस्पतालों में श्वानों के काटने के मामले भी अधिकत्तर आते है।

स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों का जायजा

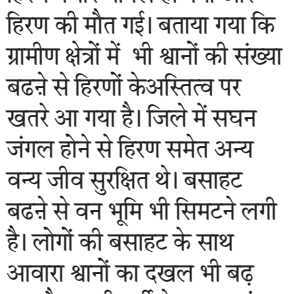

मण्डला। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 को लेकर जिला योजना भवन में तैयारियों के लिए समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में अक्षय तेम्रवाल मिशन संचालक, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) नगरीय प्रशासन एवं विकास मप्र भोपाल की अध्यक्षता में मंडला एवं डिंडौरी की नगरीय निकायों की आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की तैयारियों के लिए की गई। समीक्षा बैठक में प्रदीप मिश्रा, अधीक्षण यंत्री, नगरीय प्रशासन एवं विकास जबलपुर संभाग जबलपुर, अभिनव गर्ग संभागीय पीआईयू

निजी बोर से पानी खरीद रहे ग्रामीण, नलजल योजना ठप्प

दो हैंडपंप के भरोसे दो हजार की आबादी

ग्राम पंचायत भावल के ग्राम गुजरसानी में पेयजल की समस्या

जिले के 1215 गांवों को वर्ष 2024 तक हर घर नल कनेक्शन का लक्ष्य जल जीवन योजना के तहत रखा गया है। जिससे हर परिवार को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके। इस शुद्ध पेयजल के लिए अभी कई ग्रामों के ग्रामीणों को इंतजार करना पड़ेगा। फिलहाल ग्रामीण पानी के लिए कुंए, हैंडपंपों में घंटो लाईन लगाकर पेयजल की व्यवस्था कर रहे है। बताया गया कि विकासखंड नारायणगंज के ग्राम, मजरे, टोलों में जल संकट गहरा गया है। भीषण गर्मी पडऩे के साथ ही जलसंकट की स्थिति भी कई स्थानों पर बन रही है।

नारायणगंज।

इस समय नारायणगंज जनपद पंचायत के ग्राम गुजरसानी में पेयजल की समस्या से ग्रामीण जूझ रहे है। करीब दो हजार की आबादी वाला गांव में सात हैंडपंप है, लेकिन इस गर्मी के कारण मात्र दो हैंडपंप में ही पानी निकल रहा है, आगामी कुछ दिनों में ये हैंडपंप भी हवा उगलने लगेंगे। गर्मी के दिनों में पानी की कमी को पूरा करने के लिए ग्रामीण दूर से पानी लेकर आना पड़ रहा है। वहीं गांव की महिलाओं को सुबह 04 बजे से ही हैंडपंप में अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। इस तरह गांव में पानी की भीषण समस्या गर्मी बढऩे के साथ बढ़ जाएगी।

100 रूपए प्रतिमाह खरीद रहे पानी

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम में आधा दर्जन हैंडपंप है, लेकिन अभी दो हैंडपंप ही चालू है, लेकिन ये हैंडपंप भी बढ़ती गर्मी के साथ इनका जल स्तर नीचे उतर जाएगा और बंद हो जाएगे। जल संकट की स्थिति अप्रैल माह शुरू होते ही विकराल होने लगी थी। ग्रामीणों को नल जल योजना शुरू न होने के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए ग्राम के लोगों ने दूसरा विकल्प ढूंढ लिया है। ग्राम में एक निजी बोर कराय गया है। जिस निजी बोर से ही ग्रामीणों को 100 रुपए प्रतिमाह के हिसाब से पानी खरीदना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम में चुनाव के समय जनप्रतिनिधि और स्थानीय प्रशासन द्वारा पानी के टेंकर की व्यवस्था कराई गई थी, लेकिन चुनाव का माहौल खत्म होते ही पानी का टेंकर भी लपता हो गया है।

जनप्रतिनिधियों ने भुला दिया वादा

ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव के समय उन्हें जनप्रतिनिधियों से वादे मिलते है। कहां जाता है कि हमें चुनाव में वोट दो हम गांव की समस्या हल कराएंगे, लेकिन वोट लेने के बाद कोई जनप्रतिनिधी उनकी सुध लेने नही आता है। चुनाव जीतने के बाद सभी नेता, जनप्रतिनिधि मटेरियल सप्लायर ठेकेदारी कराने में व्यस्त हो जाते है। जिन नेताओ को यहां की जनता चुन कर लाती है, वे नेता जानता की सुध नहीं लेती है। जिसके कारण जिले के कई ग्रामों का विकास अधर में लटका हुआ है।

हमने आपने गांव में पानी की समस्या को देखते हुए निजी बोर से 100 प्रतिमाह की दर से गुजरसानी के ग्रामीण अपनी पानी की व्यवस्था बनाई है। हर घर नल कनेक्शन लगा हुआ है, लेकिन नलजल योजना का पता नहीं है। ग्रामीणों की मांग है कि जल्द ही नलजल योजना शुरू की जाए।

शिव मलगाम, ग्रामीण

भीषण गर्मी शुरू हो गई है, इन दिनों पूरे गांव में सिर्फ 2 हैडपप से पानी मिल रहा है। गांव में जुगाड़ से पानी की व्यवस्था की गई है। ऐसे ही नारायणगंज क्षेत्र के दर्जनों गांव पानी की समस्या से जूझ रहे है। पेयजल संकट के कारण ग्रामीण फ्लोराइड युक्त पानी पीने मजबूर है।

नारायण बर्मन, ग्रामीण

हमारी समस्या को लेकर किसी भी नेता का कोई ध्यान नहीं है, सारे जनप्रतिनिधि भ्रष्टाचार में लिप्त है, गांव में नलजल योजना के बिछाई पाइप लाईन आधी आधूरी पड़ी है। ग्राम के वंशिदे जलसंकट की समस्या से जूझ रहे है। जल्द ही प्रशासन को इस समस्या का समाधान करना चाहिए।

आनेक लाल धुर्वे, ग्रामीण

हर गांव में के हर घर में नल जल योजना के माध्यम से पानी पहुंचाने की बात शासन, प्रशासन कह रहा है। अभी तक गुजरसानी में कागजों में ही जल जीवन मिशन योजना चल रहीं है। इसकी जमीनी हकीकत कुछ और ही बंया कर रही है। जल्द ही पानी की समस्या से निराकरण किया जाना चाहिए।

दुर्गेश सिंगरोरे, समाज सेवक

श्वान के हमले से हिरण की मौत

कोतवाली पुलिस द्वारा तेज साउंड पर कार्रवाई

सिवनी।

पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को तेज साउंड पर म०प्र० कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत अधिक से अधिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है जो निर्देशानुसार इसी मुहिम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जी०डी० शर्मा एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सुश्री पूजा पाण्डेय के नेतृत्व में थाना प्रभारी कोतवाली श्री सतीश तिवारी द्वारा पूर्व में सभी लोगों को सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत कार्यक्रमों में विधिवत अनुमति प्राप्त करने के पश्चात लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए निर्धारित वॉल्यूम में साउंड बॉक्स का उपयोग करने संबंधी निर्देश दिये गये थे, इसी दरमियान दिनांक 26/04/2024 को थाना कोतवाली में सूचना प्राप्त हुई कि छिंदवाडा रोड राजशशि लॉन के सामने में जोर-जोर से डीजे बज रहा है सूचना तस्दीक हेतु मौके पर पहुंचे, जो राजशशि लॉन के सामने शादी के अवसर पर एक छोटा हाथी वाहन क्र. MP-22-LO-0445 में 04 डी0जे0 बडे बॉक्स, एक एम्पली मशीन व लेपटॉप लगाकर जोर-जोर से गाने बजा रहे थे। डीजे संचालक आरीफ पिता जुम्मन मंसुरी उम्र 28 साल नि. लुग्सी थाना चौरई जिला छिंदवाडा से डीजे बॉक्स बजाने की परमिशन पूछने पर कोई परमिशन पेश नहीं किया है, डीजे संचालक आरीफ मंसुरी के द्वारा शासन के आदेश का उल्लघंन करते पाये जाने पर उक्त आरोपी का कृत्य अपराध धारा 7/15 म.प्र. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम का पाया जाने से मौके पर पंचनामा तैयार कर समक्ष गवाहो के समक्ष 04 डी.जे बॉक्स बडे, एक एम्पली मशीन, लेपटॉप एवं छोटा हाथी वाहन क्र. MP-22-LO-0445 को मुताबिक जप्ती पत्रक के समक्ष गवाहन के जप्त कर कब्जा पुलिस में लिया जाकर शासन के आदेश का उल्लंघन करते पाये जाने पर आरोपी के विरूध्द अपराध पंजीबध्द किया गया।

जप्त संपत्तिः 04 डीजे बाक्स बडे, एक एम्पली मशीन, लेपटॉप एवं एक छोटा हाथी वाहन।

आरोपीः आरीफ पिता जुम्मन मंसुरी उम्र 28 साल नि. लुग्सी थाना चौरई जिला छिंदवाडा।

विशेष भूमिकाः निरीक्षक सतीश तिवारी थाना प्रभारी कोतवाली, उनि जयशंकर उइके, आरक्षक 131 मुकेश चौरिया, आरक्षक 749 राजेन्द्र राजपूत की भूमिका सराहनीय रही।

बैंगलुरु के संगीतकार उमेश जाधव की देशभक्ति और जुनून को सलाम

एक लाख पचास हजार किलोमीटर की यात्रा कर शहीदों को किया नमन

छपारा।

देशभक्ति का जज्बा और जुनून देखना हो तो बेंगलुरु के संगीतकार उमेश जाधव में देखा जा सकता है। पिछले 4 सालों से एक लाख पचास हजार किलोमीटर का अकेले ही सफर करते हुए उन्होंने 120 शहीदों के घर के आंगन की मिट्टी कलश में सिर्फ इसलिए एकत्रित की, ताकि पुलवामा,कारगिल के आलवा देश की सुरक्षा करते हुए शहीद हुए जवानों के एक लिए स्मारक बनाया जा सके। अपने इस लक्ष्य की प्राप्ति के बाद परिवार सहित अपने घर वापस लौटते समय छपारा नगर के मीडिया कर्मियों और गणमान्य नागरिक से मुलाकात की साथ उन्होंने अपनी इस यात्रा के दौरान हुए खट्टे मीठे अनुभव साझा किए।

देश पर जान न्यौछावर करने वाले शहीदों के बलिदान को यादगार बनाने के मिशन पर चार वर्ष पहले निकले उमेश गोपीनाथ जाधव अपने इस जुनून और जिद के चलते अपनी एक अलग पहचान रखने वाले मूल रूप से महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर में पैदा हुये और वर्तमान में वह बैंगलोर शहर में निवासरत है। उमेश जाधव सारे हिंदुस्तान को अपना घर समझते हुए देश के लिए शहीद हुए जवानों के लिए कुछ करने का जुनून 2019 को पुलवामा में हुए आतंकी हमले मे शहीद हुए चालीस जवानों की मौत की खबर सुनकर अंदर तक हिल गए थे तब से उन्होंने ठाना की एक जिम्मेदार भारतीय नागरिक होने के नाते देश की सुरक्षा की खातिर शहीद होने वाले इन जवानों के साथ उनके परीजनों को उचित सम्मान की खातिर लीक से हटकर इस काम की शुरुआत की और निकल गए पूरे भारत देश का भ्रमण करते हुए शहीदों के परिवार से मुलाकात की और उनके आंगन की एक मुठ्ठी मिट्टी कलश में एकत्र किया और सेना के उच्च अधिकारी को स्मारक हेतु सौपा। अपने इस जज्बे के चलते 4 वर्षों से देश के सभी 29 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में घूमें । उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान उनको देश की कई बड़ी कंपनियों ने अपने उत्पाद के लिए विज्ञापन करने को कहा जिसके एवज में उन्हें अच्छे खासे रुपए भी आफर किए किंतु उन्होंने सबको ठुकरा दिया। साथ ही अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने अपने देश के राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, भारतीय सेना के उच्चाधिकारियों सहित कई फिल्मी हस्तियों से मुलाकात का अवसर मिला सभी ने उनका उत्साह वर्धन किया। ज्ञात हो कि बेंगलुरु के पेशे से संगीतकार और संगीत टीचर जाधव ने बताया कि वर्ष 2019 में पुलवामा में हुये हमले ने उनका हिला के रख दिया उसके बाद वह उन शहीदों के बारे में सोचते हुये कुछ अलग करने के उद्देश्य से अपना सब काम और परिवार को छोड़कर कर्मभूमि-जन्मभूमि भारत की मिट्टी का सम्मान बढ़ाने। उन्होंने अपनी कार में एक दूसरी छोटी कार जोड़कर लगभग एक लाख पचास हजार किलोमीटर का सफर तय कर अपने लक्ष्य को हासिल किया। जिसमें देश भर के शहीदों की यादें रखी हैं। विदित हो कि लाक डाउन के दौरान 2021में सिवनी जिले के छपारा नगर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के फोरलेन के बाईपास पर आचनक उनकी कार खराब हो गई । इत्तेफाक से वहाँ से गुजर रहे इस संवाददाता ने तत्काल रुककर उनकी समस्या के बारे में जाना और उनकी छपारा नगर के मीडिया साथियों ने भरपूर मदद की थी इसी वजह से वह अपनी इस यात्रा पूरी होने पर शनिवार शाम को अल्प प्रवास के लिए छपारा नगर में रुक कर सभी मीडिया साथियों का आभार जताया।तो सभी नगर मीडिया साथियों ने उनकी इस यात्रा पूरी होने पर उनका भरपूर सम्मान किया एवम उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

लखनादौन।

मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तहसील विधिक सेवा समिति लखनादौन के तत्वाधान में आज दिनांक 28.04.2024 को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद लखनादौन द्वारा शासकीय विवेकानंद महाविद्यालय लखनादौन मैं बैचलर ऑफ सोशल वर्कर एवं मास्टर ऑफ सोशल वर्कर की कक्षा में अध्यनरत छात्र-छात्राओं के लिए श्रीमान दिलीप गुप्ता जिला न्यायाधीश लखनादौन के आतिथ्य में कानूनी जागरूकता एवं विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया. श्रीमान दिलीप गुप्ता ने छात्र-छात्राओं एवं समस्त कर्मचारी को संबोधित करते हुए कहा कि न्याय सबके लिए है कोई व्यक्ति न्याय पाने से वंचित न रह जाए इस उद्देश्य से विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया जाता है. शिविर के माध्यम से लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, मोटरयान अधिनियम तथा घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, महिला सशक्तिकरण तथा महिला अपराधों के बारे में विधि अनुसार जानकारी दी गई. इसके साथ ही छात्र-छात्राओं को तहसील न्यायालय लखनादौन, घंसौर एवं जिला मुख्यालय शिवनी में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विभिन्न प्रकार के न्यायालय में लंबित सिविल एवं अपराधिक प्रकरणों का आपसी सहमति से एवं विभिन्न बैंकों, नगर परिषद, श्रम विभाग, विद्युत विभाग, वन विभाग, विभागों से संबंधित प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का लोक अदालत के माध्यम से निराकरण किया जावेगा के संबंध में विधि अनुसार जानकारी दी गई. विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विधिक सहायता अधिवक्ता योजना से संबंधित जानकारी दी गई. आयोजित विधिक साक्षरता शिविर में तहसील विधिक सेवा प्राधिकरण से श्री कृष्ण कुमार गजभिए राजेंद्र प्रसाद जुगल किशोर, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री सौरभ शुक्ला एवं ब्लॉक को ऑर्डिनेटर श्रीमती रीता वर्मा श्रीवास्तव, अनिल चौरे तथा मेंटर एवं स्टाफ एवं अधिक संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे तथा पुलिस थाना से निरीक्षक श्री के.एस.पटेल, पीएलबी.श्री मनोज कुमार रजक एवं राघवेंद्र यादव,नावांकुर संस्था चेतना संदेश समिति से श्री उमेश गोल्हानी,चतुरानंद वाजपेयी, उपस्थित रहे।

गुम मोबाइल को ट्रेस करने में पुलिस को मिली सफलता

सिवनी। जिले के पुलिस थाना उगली में पुलिस अधीक्षक महोदय राकेश कुमार सिंह के द्वारा गुम हुए चोरी के मोबाइल के संबंध में गुम मोबाइल ट्रेसिंग डाटा सी.ई.आई.आर. पोर्टल के माध्यम से वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जी.डी शर्मा एवं समस्त अनु विभाग अधिकारी पुलिस सिवनी को दिए गए हैं। इसी तारतम्य में अनुभाग्य अधिकारी पुलिस केवलारी श्री आशीष भराड़े के द्वारा थाना प्रभारी उगली को कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया था, जिसका पालन करते हुए थाना में प्राप्त गुम मोबाइल के आवेदनों पर कार्यवाही करते हुए मोबाइल ट्रेसिंग डाटा सी.ई.आई.आर. पोर्टल के माध्यम से कुल 10 मोबाइलों को ट्रेस कर थाना उगली में जमा कराया गया।

10 मई को ब्राह्मण समाज के तत्वाधान में समारोह पूर्वक होगा आयोजन

श्रद्धालुजन सपरिवार पुण्य अर्जित करने आमंत्रित

सिवनी।

धर्मसभा को विप्र समाज के आमंत्रित विद्वानों द्वारा उदबोधित किया जावेगा। कार्यक्रम में अतिथियों का अभिनंदन, प्रतिभा सम्मान, समाज का प्रतिवेदन वाचन, उद्बोधन, आभार अभिव्यक्ति, प्रीति भोज के पश्चात, शाम 7 बजे से भजन संध्या का कार्यक्रम निर्धारित है। जिला ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पं. दिलीप तिवारी एवं आयोजन समिति ने समस्त विप्रजनो तथा श्रद्धालुओ से समारोह में सपरिवार वरद् उपस्थिति प्रदान कर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है। समारोह के दूसरे चरण मे भगवान श्री परशुराम की भव्य शोभायात्रा, वाहन रैली के रूप में दोपहर 3 बजे मठ मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होगी। शोभायात्रा में आमंत्रित विशिष्ट अतिथिगण तथा विप्र समाज के नर-नारी, नगर के निर्धारित रैली मार्ग से भ्रमण करते हुए, नगर वासियों को शुभ आशीर्वाद प्रदान करेंगे। शोभायात्रा नंदीकेश्वर धाम श्री परशुराम भवन पहुंचकर धर्म- सभा में परिवर्तित होगी। तदनुसार 10 मई शुक्रवार को नंदीकेश्वर धाम बरघाट रोड सिवनी में ब्रह्मलीन द्विपीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य महाराज श्री द्वारा प्रतिष्ठित श्री माता त्रिपुर सुंदरी तथा भगवान श्री परशुराम के सिद्ध मंदिर में प्रातः 9:00 बजे से आचार्य पंडित सोनू महाराज के आचार्यत्व में विधि विधान से अभिषेक, पूजन, अर्चन, विग्रह श्रृंगार, प्रारंभ होगा। जिसमें समस्त के संबंध में बैठक में व्यापक विचार विमर्श के पश्चात कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई। बैठक में सर्वसम्मत निर्णय लिए गए कि वैशाख शुक्ल अक्षय तृतीया जिला ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में भगवान विष्णु के षष्टम् अवतार भगवान परशुराम प्राकट्य महोत्सव आयोजन की रूपरेखा निर्धारित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने विभिन्न समितियां का गठन करके कार्य विभाजन का दायित्व एवं प्रभार सौंपा गया। जिला ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पं. दिलीप तिवारी की अध्यक्षता में विगत दिवस समाज की जिला बैठक संपन्न हुई। भृगुकुल नंदन भगवान परशुराम का प्राकट्य महोत्सव समारोह आगामी 10 मई को निकलेगी भव्य शोभायात्रा।

विद्यार्थियों को पीएचडी सेंटर के साथ कई अन्य सौगात

सिवनी।

राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय, छिंदवाडा अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय, सिवनी में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत स्नावतकोत्तयर कर चुके विद्यार्थियों के लिए एक बडी सौगात मिलने जा रही है। जोकि विज्ञान विषय के स्नागतकोत्तर कर चुके विद्यार्थियों को अब पीएचडी के लिए कही और नहीं भटकना होगा। शासकीय स्ना तकोत्त र महाविद्यालय, सिवनी में जूलॉजी विषय पर शोध कार्य प्रारंभ हो रहा है, जिसका लाभ सीधे सिवनी जिले के विद्यार्थियों को मिलेगा। पूर्व में भी महाविद्यालय को हिन्दीज विषय में शोध कार्य केन्द्रच बनाया जा चुका है, साथ ही पीएम एक्सीलेंस के रूप में कॉलेज को चुना गया है। इसी तारतम्यत में इस सत्र में विज्ञान संकाय के अंतर्गत एमएससी भौतिकशास्त्र , एमएससी कम्प्यूसक टर साइंस, एम.ए संस्कृत एवं स्नातिक स्तॉर पर संगीत, बॉयोटेक्नोजलॉजी विषय में प्रवेश प्रारंभ हो रहे हैं। उक्तक नवीन कोर्स के साथ पूर्व में संचालित सभी कोर्स यथावत हैं व विद्यार्थियों को इन विषयों से जुडकर उच्चम शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढने के अवसर स्थाकनीय स्त्र पर प्राप्तफ होंगे। महाविद्यालय की बढती उपलब्धियों व विषयों के विस्ताडर के प्रयासों को सार्थक करने व विद्यार्थियों के हित में ये सभी नवीन कक्षाएं प्रारंभ करने हेतु जनभागीदारी अध्योक्ष अजय बाबा पांडेय ने को धन्यतवाद प्रेषित किया है।

ब्रह्माकुमारीज की द लाइट मूवी शो के अंतिम दिन उमड़े लोग

मण्डला। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा निर्मित परमात्म अवतरण और महिला सशक्तिकरण पर आधारित ब्रह्माकुमारीज की द लाइट- एक आंतरिक यात्रा मूवी का शो किंगफिशर थिएटर में सम्पन्न हुआ। तीन दिन इस शो को देखने मंडला जिले के गणमान्य सहित शहर और गांव से लोग पहुँचें।

खबर संक्षेप

श्रुति की सफलता

सिंहपुर छोटा। कहा जाता है कि प्रतिभाये सिर्फ शहरों से ही नही

बल्कि उन्हें अवसर मिले तो गांवों से भी निकलते हुये अपने क्षेत्र का नाम रोशन करने में पीछे नही रहती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिनों म.प्र. शिक्षा विभाग द्वारा घोषित किये गये हाई स्कूल वोर्ड परीक्षा के परिणामों में देखने मिला है जहां पर गांव की बेटी ने अपने साथ साथ संपूर्ण गांव व अपनी शिक्षा संस्था का नाम रोशन किया गया है। बताया जाता है कि कक्षा दसबी वोर्ड परीक्षा परिणामों में ग्राम सिंहपुर छोटा निवासी कुमारी श्रुति पिता राकेश शर्मा द्वारा समीपस्थ ग्राम सूखाखैरी भीष्म कार्मल स्कूल में अध्ययनरत रहते हुये वोर्ड परीक्षा में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुये संस्था व गांव का नाम रोशन किया गया है। श्रुति की सफलता पर शाला परिवार के साथ साथ ईष्टजनों द्वारा उज्जबल भविष्य की कामना की गई है।

आकर्षक मैसेज से छले जा रहे उपभोक्ता

सांईखेड़ा। इस समय संचार सेवाओं में नाम पर सबसे बड़ी माने जाने वाली दूसर संचार सेवा की स्थिति तो इस प्रकार से बनी हुई देखी जा रही है कि उसके मोबाईल धारक आये दिन नेटवर्क की समस्याओं को लेकर परेशान होते हुए देखे जाते है इस स्थिति में मोबाइल तो सिरदर्द बन चुका है, क्योंकि इस प्रकार की बातें क्षेत्र में तमाम उपभोक्ताओं के मुंह से अक्सर सुनने को मिलती रहती है, क्योंकि सरकारी मोबाईल कंपनी के साथ अन्य किसी भी कंपनी का मोबाइल कंपनी की संचार सेवा को खरीदना, उपभोक्ताओं को परेशानी का कारण बनता जा रहा है। आज मोबाइल सेवा देने वाली कई प्रकार की कंपनियां अपना नेटवर्क खोल उपभोक्ताओं को सुविधा के नाम पर लूटने मे लगी हुई है? मोबाइल कंपानियां तरह तरह के मैसेज भेजकर उपभोक्ताओं से छलावा करती है और बाद मे चार्ज के तौर पर पैसा वसूल लेते है। क्या है उपभोक्ताओं की परेशानियां- क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों मे शिक्षा का स्तर कम होने के कारण बड़ी आबादी को मोबाइल के बारे मे ज्यादा ज्ञान नही होता है ।

नगर की सड़कों पर पशुओं का टकराव जारी

सांईखेड़ा। जहां एक ओर नगर की यातायात व्यवस्था पूर्णरूप से भगवान भरोसे चलते हुए देखी जा रही है, वही दूसरी ओर आवार जानवरों के शहर भर में विचरण करने से भी यातायात काफी हद तक प्रभावित होते हुए देखी जा रही है। इस सच्चाई को स्थानीय अखबारो द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी कोई पहल न होना निश्चित ही चिंताजनक सच्चाई सामने आ रही है? जबकि गौर किया जावे तो नगर के लोगों द्वारा लम्बे अरसे से हस प्रकार आवारा घुमने वाले पशुओं पर अंकुश लगाने के लिये गुहार लगायी जाती रही है। मगर इस ओर नपा प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम हे कि आवारा जानवर सड़को पर मस्ती के मूढ में आते हुये आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा बनने से नही चूक रहे है, जबकि लोगों की मांग है कि इन आवारा जानवरों को पकड़ने की व्यवस्था कर उत्पाती पशुओं को कांजी हौस में बन्द कर पशु पालकों को सबक सिखाये, मगर इसके बाद भी नपा प्रशासन द्वारा नगर में स्वच्छंद घूमने वाले जानवरों को नियंत्रण मे रखने के संबंध में कोई पहन न करना चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ने से नही चूक पा रहा है। वर्तमान में देखा जावे तो नगर के स्टैट स्तर के हाइवे मेन बाजार सहित जनपद कार्यालय व बच्चों के स्कूलों के आसपास दिन रात आवार जानवर आतंक मचाते नजर आ ही रहे है, इसके अलावा रात के समय में नगर की शालाओं के परिसरों, थाना प्रांगण, शासकीय कार्यालयों के घेरों में भी घरों से बेदखल जानवरों का जमावड़ा दिखायी पड़ने से नही चूक पा रहा है। नगर की मुख्य सड़क से लेकर कालोनियों की सड़को पर घूमने वाले इन पशुओं में आपसी लड़ाई का नजारा तो इस प्रकार से देखने मिलता है कि वह घंटो तक नगर की सड़को पर जाम की स्थिति निर्मित करने से नही चूकते है, जिसके चलते नगर की सड़को से निकलने वाले वाहन चालक असुरक्षित हो जाते है।

जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी राहगीरों को पड़ रही भारी

नगर की सड़कों पर पड़ी निर्माण सामग्री

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस समय नगर की व्यवस्थाओं की सच्चाई पूर्णरूप से भगवान भरोसे चलते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है? कहने के लिये तो जिले से लेकर गाडरवारा क्षेत्र की बागडोर युवा व कुशल अधिकारियों की हाथों में बताई जा रही है। मगर उनकी कार्य प्रणाली सिर्फ सोशल मीडिया की सुर्खियों में छाने तक सीमित होने के कारण आमजन को परेशान होते हुये देखा जा रहा है। जिसमें मुख्य रूप से देखा जावे तो नगर पालिका प्रशासन से लेकर जिम्मेदार अधिकारी व पुलिस प्रशासन के लोगों द्वारा शहर की बिगड़ी हुई व्यवस्थाओं की सच्चाई को जिस तरह नजर अंदाज करते हुये चुप्पी साधी जा रही है उसके चलते संपूर्ण व्यवस्थाएं भगवान भरोसे हो जाने की स्थिति पहुंचने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर मनमानी करने वालों के हौसले सातवे आसमान पर दिखाई देने देने लगे है? क्योंकि नगर में जहां तहां चल रहे भवन निर्माणों को लेकर लोगों द्वारा जिस तरह मुख्य मार्गो पर निर्माण सामग्री रखी जा रही है वह आमजन के लिये परेशानी का कारण बनने के साथ साथ जब जीवन को संकट में डालने से भी नही चूक रही है? यह बात अलग है कि जब किसी के भवन का निर्माण कार्य चलता है तो मार्ग पर भवन निर्माण सामग्री रखना उसकी मजबूरी बन जाती है। मगर यदि वह सामग्री महिनों तक पड़ी रही तो निश्चित तौर से वह भवन मालिक की मजबूरी नही बल्कि मनमानी का उदाहरण पेश करने से नही चूक पाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के मुख्य मार्गो से लेकर कालोनियों मुहल्लों के आलवा शहर के अनेक मार्गो पर आसानी से देखने मिल सकती है। जहां पर महिनों से नगर की मुख्य सड़को पर रखी हुई भवन निर्माणस सामग्री के कारण जहां नगर की यातायात व्यवस्था बदहाल तो हो रही है तो साथ ही साथ लोगों द्वारा अपने स्वार्थो को पूर्ण करने के लिये सड़को पर रखी गई रेत व गिट्टी व लोहा सीमेन्ट के चलते आये दिन वाहन चालक फिसलने के कारण घायल होने से भी नही बच पा रहे है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो नगर में जहां तहां चल रहे शासकीय निर्माणों से लेकर निजी भवन निर्माण के दौरान बुलाई गई रेत गिट्टी नगर के नगर के अनेक मार्गो पर देखा जा रहा है जहां पर महिनों मुख्य मार्ग पर गिट्टी पड़ी हुई है। इस तरह मुख्य सड़क के किनारे रखी हुई इस गिट्टी व रेत के चलते ऐसा अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि शायद भवन निर्माण करने वालों द्वारा इस मार्ग को खरीद ही लिया हो जिसके चलते महिनों तक इस मार्ग पर अपने भवन निर्माण की सामग्री रखने का इन्हे अधिकार पत्र ही शासन द्वारा प्रदान कर दिया गया हो? इस संबंध में अनेकों बार शांति समिति की बैठक के दौरान नगर व क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है मगर इसके बाद भी किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही न होना निश्चित तौर से चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ रहा है। यह बात अलग है कि जब ज्यादा हो हल्ला शुरू होने लगता है कि अधिकारी मात्र चंद लोगों पर कार्यवाही के नाम पर औपचारिकता निभाते हुये शांति हो जाते है और इसी का परिणाम है कि मुख्य सड़को पर कब्जा जमाने वालों के हौसले बुलंद होने से नही चूक पा रहे है। वही दूसरी ओर भवन निर्माण करने वालों द्वारा मनमाने तौर से महिनों तक मुख्य मार्गो पर अपने भवन निर्माण सामग्री रखे जाने के कारण आम लोगों को यहां से निकलना ही मुश्किल हो रहा है तो दूसरी ओर इस प्रकार से लगातार फैल रही रेत गिट्टी के चलते शायद ही ऐसा कोई दिन शेष रहता हो जब यहां पर दो पहिया वाहन चालक गिरने के कारण घायल होते हुये दिखाई न दे रहे हो..? इसी प्रकार की स्थिति नगर के अन्य मुख्य मार्गो से लेकर कालोनियों व मुहल्लों की देखी जा रही है जहां पर लोगों द्वारा सरकारी सड़को पर कब्जा जमाते हुये रखी गई भवन सामग्री के चलते आम लोगों को आने जाने में लगातार परेशानी का सामना करने के साथ साथ वाहनों के फिसलने से घायल होते हुये देखे जाने के बाद भी नगर पालिका प्रशासन से लेकर जिम्मेदार अधिकारी व पुलिस प्रशासन द्वारा चुप्पी साधी जा रही है? इस प्रकार भवन निर्माणों के लिये बुलाई जाने वाली सामग्री सड़क पर लम्बे समय तक रखने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने की जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन से लेकर पुलिस अधिकारियों की होती है। मगर उनकी कार्यप्रणाली को देखते हुये यह अनुमान लगने से नही चूक पा रहा है कि शायद उनको इस नगर की व्यवस्थाओं से कोई लेना देना नही रहे गया है और लोग अपनी मनमानी पर उतारू रहते हुये जिसके दिल में जो आता है वह करने में लगा है? इस प्रकार से सड़को पर महिनों तक भवन निर्माण सामग्री रखते हुये कब्जा करने वालों के खिलाफ जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इसी प्रकार की चुप्पी साधी रही तो निश्चित तौर से नगर में किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? इस तरह कई दिनों तक सड़को पर पड़ी रहने वाली इस सामग्री का हाल कानोलियों में इस तरह देखा जा रहा है कि लोग अपने घरों तक दो पाहिया वाहन तक ले जाने पर परेशान हो रहे है तो दूसरी ओर सुबह के वक्त नगर पालिका का कचना एकत्र करने वाले वाहन भी नगर के मुहल्ले व कालोनियों में प्रवेश नही कर पा रहे है जिसके चलते नपा के स्वस्च्छता सर्वेक्षण को भी ग्रहण लगने से नही चूक पा रहा है?

खेतों में झूलते बिजली तारों से दहशत में दिखाई दे रहे क्षेत्र के किसान

सांईखेड़ा। जिस प्रकार से देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा एक ओर अपने बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो सभी प्रकार के माप दंडों का उपयोग करते हुए किसानों से पैसा बसूने में उनके घरों में रखी हुई सामग्री तक जप्त करने से नही चूक रही है? मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा अपनी विद्युत लाईनों के रख रखाब की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण प्रति वर्ष क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग की लापरवाही के चलते आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि बिजली विभाग की उदासीनता का परिणाम है कि किसानों के खेतों से निकली हुई बिजली लाईनों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि वह वर्षो पुरानी होने के कारण उनके तार झूला के समान झूलते हुए दिखाई दे रहे है और वह तार जरा से हवा चलते ही एक दूसरे से टकरा जाने की स्थिति में आग की चिन्गारी छोड़ना चालू कर देते है। इसके चलते किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसलों में आग लग जाने के कारण किसानों को आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए प्रतिवर्ष मजबूर होते हुए देखा जाता है, जिसका उदाहरण इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने भी मिल रहा है जहां पर किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले आये दिन आग से जलकर खाक होने से नही चूक रही है। क्योंकि क्षेत्र के गांवों की मेन्टेनेस व्यवस्था पर बिजली विभाग द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण गांवो में किसानों की सिंचाई हेतु स्थापित किये गये ट्रांसफार्मर भी जल जाते है जिनकों बदलवाने के लिए क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग के अधिकारियों के अनेक चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इस स्थिति में देखा जावे तो जहां किसानों के खेतों में आग लगने के कारण उन्हें आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ता है।

क्षेत्र में फिर सक्रिय हुई लकड़ी माफियों के चलते हरियाली की चादर पर मंड़राने लगा खतरा, गांव गांव पेड़ काटने के लिये बनाई जाने लगी जुगाड़

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

कुछ वर्षो से देखा जा रहा है कि सक्रिय हुये लकड़ी माफियों के चलते किसानों के खेतों में जिस प्रकार से पेड़ो की हरियाली नजर आते हुये देखी जाती थी उस पर लकडी माफियों की नजर इस तरह पड़ी की किसानों के खेतों के आस पास लगे हुये पेड़ लगातार गायक होते हुये देखे जो लगे थें। मगर बीते हुये दो वर्षो में बन विभाग की सक्रियता के साथ की गई कार्यवाही के कारण इन लकड़ी माफियों के अनेक ट्रेक्टर ट्राली वन डिपों में नजर आने से नही पाये थें। इसी के चलते कुछ समय तो गांव गांव किसानों क खेतों में लगे हुये पेड़ो की कटाई पर काफी हद तक अंकुश लगा हुआ नजर आने लगा था। मगर अब कुछ महिनों से क्षेत्र में फिर लकड़ी माफियों के सक्रिय होने के चलते किसानों के खेतों के आस पास बबूल, आम, जामुन सहित अन्य प्रकार के पेड़ो की फैलने वाली हरियाली पर ग्रहण लगते हुये नजर आने लगा है। बताया जाता है कि गाडरवारा क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी माफियों द्वारा गांव गांव पहुंचकर क्षेत्र के किसानों को जरा से धन क लालच देते हुये उनके खेतों में खड़े हुये पेड़ो को चंद रूपया में खरीदते

हुये उनका कत्लेआम करने के साथ जिले के बाहर या फिर दूसरे प्रांतों में इस लकड़ी का नियम विरूध परिवहन करते हुये अपनी जेबे भरने से नही चूक रहे है? वही दूसरी ओर जब संबंधित विभाग द्वारा इस तरह हरियाली का खुलेआम कत्ल करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने की कोशिश की जाती है तो यह लकड़ी माफियों द्वारा बडे बडे नेताआओं के साथ अपनी खीची गई फोटोयों को दिखाते हुये अधिकारियों पर इस बात को लेकर रौब झाड़ने से नही चूकते है कि यदि मेरे धंधें की ओर नजर तो मेरी पहुंच प्रदेश से लेकर केन्द्र तक के नेताओं तक है तुम्हारी नौकरी तो चंद मिनिटों के अंदर ....? इस तरह रौब दिखाये जाने के चलते कुछ अधिकारी कर्मचारी दहशत में आते हुये अपने आंखे बंद कर लेते है? मगर कुछ निष्ठावान अधिकारियों द्वारा इन लकड़ी माफियों के रौब को नजर अंदाज करे हुये कार्यवाही करने में पीछे नही रहते है? इस तरह कुछ महिनों के रूकाबाद के बाद क्षेत्र में सक्रिय हुये लकड़ी माफियों की सच्चाई को बीते हुये दिनों वन विभाग द्वारा जिस तरह ताले पेड़ो को काटते हुये लकड़ी भरकर ले जा रहे ट्रेक्टर ट्राली सहित एक हाईड्रा को पकड़ते हुये उजागर कर दी गई कि गाडरवारा क्षेत्र में फिर लकड़ी माफिया द्वारा अपने पैर जमाते हुये हरियाली की चादर को मिटाने प्रयास शुरू कर दिये गये है? वही दूसरी ओर क्षेत्र में जहां तहां बबूल के पेड़ो की कटाई होने के साथ उनका अवैध रूप से दूसरे प्रांतों में परिवहन होना वन विभाग के अधिकारियों पर मिली भगत का संदेह पैदा करते हुए जान पड़ रहा

है? जबकि शासन द्वारा इस वर्ष लगभग 53 प्रकार के वृक्षों की कटाई पर प्रतिबंध लगाते हुये उनके परिवहन पर भी प्रतिबंध लगाया गया है जिसमें बबूल भी शामिल होने की बात कही जाने के उपरांत भी देखा जा रहा हे कि धडल्ले से बबूल के पेडों को काटने के साथ साथ उनकी लकड़ी का परिवहन होना अनेक प्रकार के संदेहों को जन्म दे रहा है? मगर क्षेत्र में देखा जा रहा है कि कुछ दूसरे प्रांतो से आये हुए लोगों द्वारा म.प्र. से बबूल सहित अनेक प्रकार के पेड़ो की लकड़ी को ओने पोने दामों में खरीदकर अपने प्रांतों में ले जायी जा रही है। इस संबंध में बताया जाता है कि क्षेत्र में स्थानीय स्तर से लेकर बाहर से आये हुए लकडी माफियों द्वारा यहां से आम, बबूल सहित अन्य प्रकार की लकड़ी खरीदकर अपने प्रांत को अवैधानिक रूप से खुलेआम परिवहन करते हुए देखे जाने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही न करना निश्चित तौर से संबंधित विभाग के अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर प्रश्न वाचक चिन्ह लगाने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से धडल्ले से चल रहे लकड़ी के अवैध परिवहन को लेकर वन विभाग के अधिकारियों की मिली भगत का संदेह पैदा होने से भी नही चूक पा रहा है। इस प्रकार क्षेत्र के गांवों से बबूल के पेड कटने के साथ उनका परिवहन होने का परिणाम इस प्रकार से देखने मिल रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खड़े हुए बबूल के जंगल जहां आज साफ होने के बाद सिर्फ उनके ठूट ही ठूट नजर आ रहे है?

पंचायती राज में हो रही अनियमितताओं को शायद सुनने वाला कोई नहीं?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र के अनेक पंचायतों में जिस प्रकार से मनमानी हावी हुई है शायद ही इस प्रकार की कभी देखी गई हो? क्योंकि पंचायतों में अनियमितता और मनमानी करने वालों को यत्र-तत्र जयकार होती आ रही है। मानों ऐसा प्रतीत होता है कि शायद पंचायती राज में तो भ्रष्टाचार का विकेन्द्रीकरण हो गया है, जिसकी अनेको शिकायते हुइं या फिर होती है उन पर क्या कार्यवाही होती है किसी को कोई पता ही नही चलता है, इतना ही नहीं शिकायतों को ठंडे बस्ते में डाल देने का क्रम लगातार जारी है? त्रिस्तरीय पंचायती राज में पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अपने सगे संबंधियों व छुट भैया नेताओं को देना, पंचायत की राशि का दुरूपयोग करना, गरीबों के नाम पर आई योजनाओं का बंदर बांट करना आम बात होते हुए दिखाई पड़ रही है? परिणाम स्वरूप योजनाओं के असली हक दार योजनाओं की जानकारी के अभाव में पंचायतों की ओर ताकते रहते हैं, किंतु उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है, इस बात की शिकायत

करने पर शिकायतकर्ता को ठेंगा दिखाने से पंचायत के कर्णधार पेट का खाना तक की योजनाओं में धांधली करने से नहीं चूक रहे हैं? भले ही सरकार द्वारा गरीबों के नाम पर अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए उनके उद्धार की बात कही जा रही है। मगर सही मायने में देखा जावे तो पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में आज भी गरीब तबका अपने परिवार के साथ दयनीय स्थिति में है, वह न ईलाज न शिक्षा न रहने का ठौर ठिकाना अपने लिए बना पा रहा है यह बात अलग है कि सरकार द्वारा आवास हीन लोगों के नाम पर योजना चला दी गई है। मगर इस योजनाओं के हितग्राहियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो गांवो में जाकर आसानी से देखा जा सकता है कि उसके सही पात्र हितग्राही आज भी टूटे हुए भवनों में निवास कर रहे है और पंचातयों के कर्णधारों के संगे संबंधियों के इस योजना का लाभ लेते हुए पक्के भवन बन रहे है? इस प्रकार से क्षेत्र की अनेक पंचयातों में देखा जा रहा है कि पंचायत प्रतिनिधि अपनी मनमानी के चलते रूपया कमाना अपनी शान समझते हुए पंचायती राज की धज्जियाँ उड़ने में कोई कसर छोड़ने से नही चूक रहे हैं? वही दूसरी ओर क्षेत्र की अनेक पंचायतो का हाल तो इस प्रकार से दिखाई दे रहा है जहां पर पंचायतों के कार्यों में सरपंच पतियों का हस्तक्षेप भी इस प्रकार से बढ़ा हुआ देखा जा रहा है कि वह अपनी पत्नियों को मिलने वाला सम्मान अधिकारियों के समक्ष खुद ही लेने से नही चूक रहे है, इस प्रकार की सच्चाई के चलते सही पात्र हितग्राहियों को व आम लोगो को पंचायती राज का लाभ नहीं मिल पा रहा है और सरकार द्वारा चलाई जा रही संपूर्ण योजनाएं एक सपना बनकर रह चुकी है?

भारतीय मुद्रा में शामिल सिक्कों को लेने से कर रहे अनेक दुकानदार इंकार

गाडरवारा। लगभग चार वर्ष पहले जिस प्रकार से नोट बंदी के बाद बाजार में चिल्लर की बाढ़ आने की शुरूआत हुई थी वह अब सिर दर्द बनाते हुए दिखाई देने लगी है? क्योंकि लोगों ने अपने घरों में चिल्लर तो सजोकर रख ली गई थी। मगर वह चिल्लर लोगों को मुशिबत साबित होते हुए दिखाई देने लगी है, जिसमें सबसे अधिक वह बच्चें परेशान हो रहे है जिन्होंने अपने परिजनों से एक एक रूपया एकत्र करते हुए गुल्लकों को भर लिया गया है और उनकी सोच रहती है कि जब अधिक पैसा एकत्र हो जावेगा तो वह समय आने पर यादगार वस्तु खरीद लेगे मगर मासूम बच्चों के अरमानों पर इस समय पानी फिरते हुए दिखाई देने लगा है।

विभागों की बेशकीमती जमीन पर खड़े बिना हेमर लगे पुराने पेड़

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

शासन प्रशासन हर वर्ष वृक्षारोपण अभियान के नाम पर लाखों रूपए पानी की तरह बहाया जाता है। वही कुछ संस्थाएँ ऐसी भी है जो शहर मे विशिष्ट राजनीतिक हस्तियों की आगमन की खबर से हरकत मे आकर प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण प्रयास करती है। लेकिन हकीकत है कि पूर्व मे शहर मे लगाये गए वृक्षों की हिफाजत करने मे कोताही बरती गयी है। जिसका परिणाम है कि हाल के वर्षो मे लगायें गए बहुत सें वृक्ष सूख गए है तथा हरियाली को लेकर शासन की मंशा पूरी होते हुए कही दिखाई नही दे रही है? विडम्बना की बात है कि यहाँ का लोक निर्माण विभाग तथा वन विभाग अपनी जमीन पर वर्षो से सीना तानकर खड़े पुराने वृक्षों की सुरक्षा कों कोई पहल नही कर रहा है। सूत्रों की माने तो पहले शासन की जमीन के दोनों किनारें लगे जो वृक्ष आधी, बारिश मे धराशायी हो गए थें उनकी कई माहों तक कोई सुध नही ली गयी और उनकी लकड़ी तक गायब हो गयी। कुद इसी प्रकार का हाल लोक निर्माण की भूमि पर लगे हुए बृक्षों को जान पड़ रहा है जानकारी के अनुसार अनेक जगहों पर लोक निर्माण की उसकी

जमीनों पर लगे पुरानें पेड़ों को चिन्हित करनें मे बरती गयी लापरवाही के कारण हुई है। गौरतलब है वर्तमान मे भी पी.डब्लू.डी. की जमीन पर बड़ी संख्या मे आम, इमली, सागौन के पुराने वृक्षों का आस्तित्व है। जाहिर है इनमे से कुछ ऐसे वृक्ष भी है जो उम्र दराज होने के साथ साथ हर बरसात मे उनके अचानक गिरने की आशंका बनी रहती है इसलिए सम्बंधित विभाग की जवावदारी है कि ऐसे पुराने वृक्षों के कटवाने की व्यवस्था करें ताकि ये किसी दुर्घटना का सबब नही बने, वृक्षों को चिन्हित न करने के बारे मे यह सच्चाई भी सामने आयी है कि उक्त पुराने दरखतों के तनों पर नियमानुसार हेमर लगानें की व्यवस्था नही की गयी है, जिसका नतीजा है कि लोगों द्वारा इन पर कुल्हाड़ियॉ चलाने मे कोई संकोच नही किया जाता, ऐसा भी मिसालें पहले मिल चुकी है कि शासन की जमीन पर लगें अनेक पुरानें वृक्ष बेरहमी से काट डाले गए। आमजन अकारण उनकी सुख देने वाली छाया से वंचित रह गए। लेकिन आश्चर्यजनक बात है कि इसके बाद भी प्रशासन का अमला सचेत नही हुआ और पुराने वृक्ष असुरक्षित होते चले जा रहे है, इस तारतम्य मे जरूरी कहा जा रहा है कि नपा.की भूमि पर मुख्यमार्गो के किनारे जो सर्वाधिक पुराने पेड़ अविविकसित स्थिति मे हैं उनके कटवाने की व्यवस्था कर उनके स्थान पर नए वृक्ष लगवाना चाहिए। लोक निर्माण विभाग से अपेक्षित है कि फिलहाल उसकी जमीन पर जों पुरानें पेड़ खड़े है उनमें हेमर लगवाकर उनकी सुरक्षा का प्रबंध करना चाहिए।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने जनपद पंचायत मेहंदवानी में अधिकारियों की ली बैठक

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने जनपद पंचायत मेहंदवानी में जनपद स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बैठक में राजस्व के प्रचलित कार्यों पर चर्चा करते हुए लंबित कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। विकासखंड अधिकारियों के साथ बैठक लेकर जनपद स्तर पर प्रचलित कार्यों की जानकारी ली। कलेक्टर ने सभी लंबित कार्यों को समय सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने पेसा मोबिलाइजरों को प्रचलित कार्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि सभी को जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए प्राथमिकता निर्धारित कर कार्यों को करना है। जिनमें पेसा के तहत शिक्षाए स्वास्थ्यए रोजगार आदि प्रमुख कार्य हो। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ब्लॉक मुख्यालय पर कैरियर काउंसलिंग केंद्र बनाकर बच्चों की अभिक्षमता को समझें और उसी अनुसार उनका मार्गदर्शन कर भविष्य की नीति बनाये। पंचायत स्तर पर खेल मैदान के लिए आवश्यक निर्देश दिए और कहा कि गांव के लोगों की प्राथमिकता को समझें।

मेकलसुता कॉलेज में करियर काउंसिलिंग का होगा आयोजन

डिंडौरी। मेकलसुता कॉलेज डिंडौरी में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए भविष्य की राह चुनने में विद्यार्थियों को मदद करने के उद्देश्य से 30 अप्रैल दिन मंगलवार को दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक करियर कॉउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा। इस कॉउंसलिंग कार्यक्रम के संयोजक उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री एस के द्विवेदी हैं, वहीं कार्यक्रम का सम्पूर्ण आयोजन मेकालसुता कॉलेज में प्राचार्य द्विवेदी के मार्गदर्शन में किया जाएगा। करियर कॉउंसलिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को 12वीं के बाद अपनी पसंद के अनुसार कार्यक्षेत्र चुनने का अवसर प्राप्त होगा। जिसके लिए अलग अलग क्षेत्र के विशेषज्ञ अपने अनुभव विद्यार्थियों से साँझा करेंगे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने मेहंदवानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरिक्षण किया और स्वास्थ्यकर्मियों की बैठक ली। उन्होंने केंद्र में संचालित स्वास्थ्य गतिविधियों और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने मलेरिया, टीबी, मौसमी बीमारी आदि की जानकारी ली। उन्होंने लोगों को मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों का समय पर उचित उपचार करने, लोगों को बीमारी लक्षण और बचाव के प्रति जागरूक करने को कहा है। स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित प्रसव के लिए विशेष रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने रेवा स्वास्थ्य कैंप की समीक्षा करते हुए,कैंप से लाभान्वित लोगों की जानकारी ली। कलेक्टर ने टीकाकरण के कार्यों में लक्ष्य पूर्ति करने के लिए गति लाने के निर्देश दिए और महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय कर कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें सुपोषित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने उक्त बैठक में नशा मुक्ति सिकल सेल टीवी पैरालिसिस टेस्टिंग स्क्रीनिंग पैरामीटर पर कार्य आदि की विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को तत्सम्बंध में आवश्यक निर्देश दिए हैं।

मैया अभियान के तहत मां नर्मदा नदी और तटों की गई साफ-सफाई

डिंडौरी। रविवार को प्रातः मैया अभियान के तहत मां नर्मदा नदी और तटों की साफ-सफाई की जाती है। इसी क्रम आज भी प्रातः मैया अभियान में शामिल हो सभी लोगों ने उत्साह दिखाया, सभी ने साफ-सफाई कर जिले के नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया है। उक्त स्वच्छता अभियान में कलेक्टर श्री विकास मिश्रा सहित आमजन और अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएं शामिल हुए। कलेक्टर विकास मिश्रा ने सभी नागरिकों से अपील की है कि ष्हम अपने गांव और शहर को स्वच्छ रखने के लिए आगे आएं, गंदगी न फैलाएं, कूड़ा कचरा को कचरा को कूड़दान और कचरा गाड़ी में ही डालें।

बारूदी धमाकों से दहल रहा गाँव

खनन नीति और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों की उड़ा रहे धज्जियाँ

पाकर बघर्रा में संचालित सरस्वती स्टोन क्रेशर का मामला

आदिवासी बहुल डिंडौरी जिले में नियम और निर्देश महज कागजों में सिमट कर रहे गए हैंए पूंजीपति और राजनीतिक रसूखदार बेधड़क होकर शासन के नियम निर्देशों को कुचलने पर आमादा हैं। नक्सल प्रभावित डिंडौरी जिला आंतरिक सुरक्षा के दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है किंतु रसूखदार धड़ल्ले से विस्फोटक सामग्री का परिवहन और खदानों में विस्फोटक सामग्री उपयोग कर रहे हैं यह चिंताजनक है।

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

डिंडौरी और उमरिया जिले के सीमा में स्तिथ पाकर बघर्रा में स्थापित सरस्वती स्टोन क्रेशर संचालक लंबे समय से खनन नीति और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशा निर्देशों को ताक में रखकर क्रेशर का संचालन कर रहा हैएपत्थर खदानों में नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैंए एक ओर जहां प्रशासन द्वारा आए दिन अवैध उत्खनन पर कार्यवाही का दंभ भरता हैए दूसरी ओर पाकर बघर्रा ग्राम में पत्थर खदान के नाम पर 40 .50 फिट खाई खोद दी गई है।क्रेशर संचालक द्वारा किये जा रहे नियमों के उल्लंघन ने खनिज विभाग को कटघरे में खड़ा कर दिया है। ग्राम के आस.पास का इलाका पत्थर खनन और धूल उगलती क्रेशरों की भारी कीमत चुका रहा है। स्थानीय भाषा में ग्रामीण इतनी गहरी खुदाई को पातालफोड़ खुदाई कहते हैं। इस तरह की मनमानी पूर्वक खुदाई खान अधिनियम 1952 का खुला उल्लंघन है। अधिनियम के अनुसार खनन उच्चतम बिंदु से निम्नतम बिंदु के 6 मीटर की गहराई तक ही हो सकता है लेकिन जब जिम्मेदार अधिकारियों की संलिप्तता हो तो कुछ भी संभव है।

कृषि भूमि हो रही बंजर,सिलगी नदी का अस्तित्व खतरे में

ग्रामीणों ने बताया कि सरस्वती स्टोन क्रशर संचालक के द्वारा उच्च क्षमता के विस्फोटक का एक माह में 4 से 5 बार प्रयोग किया जाता हैंएबारूदी धमाकों से पाकर बघर्रा समेत 4.5 किलोमीटर के एरिया में तीव्र कम्पन महसूस किया जाता हैए साथ ही घरों में दरारें पड़ गई हैं। धमाकों के चलते पानी का स्रोत भटकने से अनेको ग्रामीणों का बोर सूख गया हैए वही रात दिन क्रेशर चलने से आसपास की जमीनों में डस्ट की मोटी परत जम गई हैं जिसके चलते कई एकड़ भूमि बंजर भूमि में तब्दील हो गई हैंएक्रेशर के समीप प्रवाहित सिलगी नदी में दिनोदिन प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है जिससे सिलगी नदी के अस्तित्व खतरे में है।

विस्फोट पर रोक लगाने ग्राम पंचायत ने पारित किया प्रस्ताव

ग्राम पंचायत के द्वारा 02 अक्टूबर 2023 को प्रस्ताव पारित किया गया जिसमे उल्लेख है कि क्रेशर संचालक द्वारा बहुत अधिक विस्फोट करने से हैंडपंप और कुआं सूख गए हैंएऔर जमीन का संतुलन बिगड़ रहा है,जिससे आमजनों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा हैएग्राम सभा ने सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए विस्फोट पर रोक लगाने की मांग किया थाए ग्राम पंचायत द्वारा दिनांक 21/11/2023 को कलेक्टर को पत्र लिखकर अवगत कराया गया कि क्रेशर संचालक के द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से भूमि में अंधाधुंध खनन किया गया हैएअत्यधिक विस्फोट से गांव की जमीन असंतुलित हो रही हैं जिससे ग्रामीणों को पीने का पानी नही मिल रहा है, ग्रामीणों ने क्रेशर को बंद कराये जाने की मांग की है

खनन नीति और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों की उड़ाई धज्जियां

पत्थर खनन के लिए खनन नीति अनुसार 6 मीटर अधिकतम खनन का प्रावधान है वही क्रेशर संचालन के लिए मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों की खुली अवहेलना की जा रही हैंए बोर्ड द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र में स्पष्ट लेख है कि परिवहन एवं आंतरिक गतिविधियों के कारण उत्पन्न कणों को उत्सर्जन के लिए परिसर के सभी आंतरिक सड़को को पक्का बनाया जाना है । परिसर में पर्यावरण सुधार के लिए आसपास कम से कम 4 .4 मीटर की दूरी में तीन लाइनों में स्थानिय प्रजाति के पेड़ लगाए जाने हैं। प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के लिए अलग से विद्युत मीटर लगाया जाना हैए पानी छिड़काव प्रणाली सहित धूल रोकथाम सह दमन प्रणाली इकाई प्रारम्भ होने से पहले स्थापित किया जाना हैएकिंतु पाकर बघर्रा में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशो की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।जिसकी सूचना एसडीएम को भी दी गई है।

स्वास्थ्य और महिला आत्मनिर्भर पर कार्य कर रहा प्रकल्प, पदाधिकारियों ने दी जानकारी

डिडौर।~

रविवार को स्थानीय ईमली कुटी परिसर में एकल आरोग्य प्रकल्प पदाधिकारियों ने प्रेस वार्ता का आयोजन किया।इस दौरान बतलाया गया कि प्रकल्प द्वारा देश के 15 राज्यों में योजना अनुरूप कार्य चल रहा हैए जिसके माध्यम से बनवासी क्षेत्रों में टेलीमेडीशन के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है और महिलाओं को ऐनीमिया एवं बच्चों का कुषोषण से बचाव किया रहा है।अभियान के तहत गांव की प्रशिक्षत महिला हेल्थ ऐप के माध्यम से ग्रामीणो के स्वास्थ्य की जांच करती हैं और एप में दर्ज करती हैं।जिसके बाद मोबाइल के जरिये डॉक्टरों से सम्पर्क करके उपचार किया जाता है।जो कारगर साबित हो रहा है। बतलाया गया है कि एकल आरोग्य प्रकल्प स्वास्थ लाभ के साथ साथए स्वच्छताए पोषणए और महिलाओं के अर्थिक और स्वावलंबन कि दिशा में भी कार्य कर रहा है।इस दौरान डाण वाणी अहलुवालिया केन्द्रीय सचिव एकल आरोग्य प्रकल्पएनरबदिया मरकामएडॉ देवेन्द्र मरकाम संभाग आरोग्य शिक्षा प्रभारी, संतोष द्विवेदी संभाग आरोग्य प्रकल्प प्रमुख महाकौशलए मनोहर नन्देहा अंचल एकल अभियान प्रमुखएअरविंद लोधी संकूल कॉर्डिनेटरए शिवकली धुर्वे डिंडौरी कोडिनेटर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

घरेलू सिलेंडर का दुरुपयोग करते पाए जाने पर दो प्रतिष्ठानो पर हुई कार्यवाही

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार आज घरेलू उपयोग के स्च्ळ सिलेंडरो का दुरुपयोग करते पाए जाने पर कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आकाश तुरकर एवं नितिन जायसवाल द्वारा बस स्टेंड डिंडोरी स्थित मोले भोजनालय से 1 सिलेंडर तथा सूबखार स्थित ओम साई चाइनीज से 1 सिलेंडर जब्त कर द्रवीकृत पेट्रोलियम प्रदाय वितरण विनियमन आदेश 2000 के तहत कार्यवाही की गई स जब्त सिलेंडरो को डिंडोरी एजेंसी को सुपुर्द किया गया।

कोडा गांव में लोमड़ी के हमले से तीन घायल

जिला चिकित्सालय में किया गया उपचार

अनूपपुर।

जिला मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत कांसा के कोड़ा गांव में रविवार की सुबह खेत में गेहूं काट रहे दो युवक एवं एक युवती पर एक मानसिक रुप से विक्षिप्त लोमड़ी ने हमला कर तीनों को लहूलुहान कर दिया इसके पहले लोमड़ी ने एक गाय एवं एक बछड़े को भी घायल किया है लोमड़ी के हमला से घायल तीनों को जिला चिकित्सालय अनूपपुर ला कर परिजनों द्वारा उपचार कराया गया। इस बीच जानकारी पर वन्यजीव संरक्षण अनूपपुर एवं वन विभाग के कर्मचारी भी जिला चिकित्सालय एवं घटनास्थल पर पहुंचे। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कांसा के कोड़ा गांव में रविवार की सुबह एक लोमड़ी गांव के बीजू पटेल की एक गाय एवं एक बछड़ा पर अचानक हमला कर घायल किया जिसे भगाए जाने पर कुछ दूर खेत में गेहूं

काटने का काम कर रहे दुर्गा पिता अमरनाथ विश्वकर्मा 18 वर्ष, सुनील पिता दशरथ विश्वकर्मा 28 वर्ष एवं संजय पिता दशरथ विश्वकर्मा 21 वर्ष पर हमला कर तीनों को लहूलुहान कर दिया। घटना की जानकारी पर ग्रामीणों, परिजनो द्वारा तीनों घायलों को जिला चिकित्सालय अनूपपुर ला कर उपचार कराया गया। उपचार के बाद से तीनों को खतरे से बाहर होना बताया गया है, घटना के बाद से लोमड़ी जंगल की ओर भाग कर चली गई है। ग्रामीणों ने बताया कि विगत दो-तीन दिनों से यह संभवतः मानसिक रूप से विक्षिप्त जंगली जानवर विचरण कर रही है। घटना की जानकारी पर वन्यजीव संरक्षण अनूपपुर शशिधर अग्रवाल,अनूपपुर बीट के वनरक्षक मो. रहीस खान जिला चिकित्सालय पहुंचकर घायलों का उपचार कराने बाद घटना के संबंध में जानकारी लेते हुए स्थल का निरीक्षण किया।

असामयिक बारिश एवं ओलावृष्टि के पर राज्य शासन ने दी राहत

गेहूं में निर्धारित एफएक्यू मापदण्ड किया गया

अनूपपुर।

जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि असामयिक बारिश एवं ओलावृष्टि के कारण गेहूं के फसल प्रभावित होने से रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन हेतु निर्धारित एफएक्यू मापदण्ड में शिथिलता प्रदान की गई है। रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूं के उपार्जन हेतु एफएक्यू अनुसार निर्धारित सीमा एवं शिथिलता उपरांत निर्धारित सीमा में क्रमशः सिकुडे एवं टूटे दाने 6 प्रतिशत से बढाकर 15 प्रतिशत तक, चमक विहीन 30 प्रतिशत से बढाकर 50 प्रतिशत तक, क्षतिग्रस्त दाने 2 प्रतिशत से बढाकर 6 प्रतिशत तक एवं आंशिक क्षतिग्रस्त दाने 4 प्रतिशत से बढाकर 6 प्रतिशत तक की छूट शासन द्वारा प्रदान की गई है। एफएक्यू मापदण्ड में प्रदान की गई शिथिलता अनुसार समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के संबंध में जिले में कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने के निर्देश जारी किये गये है। एफएक्यू मापदण्ड में प्रदान की गई शिथिलता की सीमा तक उपार्जित गेहूं पर पूर्ण समर्थन मूल्य की राशि मय राज्य बोनस रुपए 2400 प्रति क्विंटल किसानों को भुगतान सुनिश्चित करने एवं मापदण्ड में शिथिलता अनुसार उपार्जित गेहूं के बोरों पर जेड मार्का लाल रंग की स्याही से लगाकर किसानवार पृथक से उपार्जन केन्द्र एवं गोदाम में स्टेकिंग कराई जाने,बोरों पर जेड मार्का इस प्रकार लगाया जाने की वह स्पष्ट रूप से दर्शित हो, उपार्जन केन्द्र के लॉगिन से गेहूं की मात्रा एवं प्रतिशत की जानकारी ई-उपार्जन पोर्टल पर प्रविष्टि अनिवार्य रूप से कराने, गेहूं उपार्जन केन्द्रो से मापदण्ड में शिथिलता अनुसार उपार्जित गेहूं का पृथक-पृथक ट्रकों में परिवहन किए जाने एवं प्रत्येक ट्रक चालान में शिथिलता अनुसार प्रतिशत अंकित किए जाने,एक ट्रक में दोनों प्रकार (एफएक्यू एवं शिथिलता प्रदान अनुसार) के गेहूं का परिवहन नहीं करने, शिथिलता अनुसार गेहूं की प्राप्त भंण्डारण स्थल पर होने पर गोदाम प्रभारी द्वारा किसानवार गेहूं का परीक्षण किए जाने एवं किसानवार गेहूं के प्रतिशत का मैन्यूअल एवं ऑनलाईन जारी किए जाने वाले स्वीकृति पत्रक में प्रविष्टि करने, गेहूं उपार्जन समितियों से प्राप्त मापदण्ड में शिथिलता अनुसार गेहूं ट्रक चालानों में शिथिलता का प्रतिशत दर्ज न होने अथवा एफएक्यू मापदण्ड में शिथिलता सीमा से अधिक प्रतिशत का गेहूं पाए जाने पर ट्रक को भंण्डारण हेतु स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं संबंधित उपार्जन केन्द्रो को वापस करने, भंण्डारण एजेंसी के संग्रहण केन्द्र प्रभारी का दायित्व होगा कि संग्रहण हेतु प्राप्त एफएक्यू एवं मापदण्ड में शिथिलता अनुसार गेहूं की उपार्जन संस्था वार पृथक-पृथक स्टेक लागए जांने, गेहूं के भंण्डारण में लगाए जाने वाले स्टेक कार्ड में एफएक्यू अथवा मापदण्ड में शिथिलता का पूर्ण विवरण अंकित किया जाएगा जिसमें ट्रक चालान में उल्लेखित मापदण्ड में शिथिलता अनुसार प्रतिशत को दर्ज किये जाने, भंडारण एजेंसी द्वारा स्वयं के एवं संयुक्त भागीदारी योजनांतर्गत अनुबंधित गोदाम मालिकों से एफएक्यू एवं मापदण्ड में शिथिलता अनुसार गेहूं को पृथक-पृथक संस्थावार स्टेक लगाकर भंण्डारित करने तथा एफएक्यू मापदण्डो में अनुसार गेहूं का उपार्जन, परिवहन, भंण्डारण एवं उसके प्रतिशत के निर्धारण आदि की जानकारी प्रदान करने हेतु उपार्जन कार्य में संलग्न कर्मियों यथा-उपार्जन संस्थात प्रभारी, कम्प्यूटर आपरेटर, सर्वेयर तथा उपार्जन/भण्डांरण एजेंसी के गोदाम में कार्यरत कर्मियों को प्रशिक्षण उपार्जन एजेंसी द्वारा दिये जाने के निर्देश दिये गये है।

जिला न्यायालय के सभागार में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन संपन्न

अनूपपुर।

मुख्य न्यायाधिपति म.प्र. उच्च न्यायालय, जबलपुर के निर्देशानुसार किशोर न्याय बोर्ड (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु 27.04.2024 को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रीमति मोनिका आघ्या की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जिला न्यायालय, अनूपपुर के सभागार में किया गया। जिसमें माननीय महोदया द्वारा किशोर न्याय बोर्ड (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के अंतर्गत महत्वपूर्ण परिभाषा, बच्चों के हितार्थ उपयोग किए जाने वाले सिद्धांत, किशोर न्याय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका, सम्प्रेक्षण ग्रह, शिशु ग्रह के विषय में उपस्थित अधिवक्तागण को जानकारियां प्रदान की। इस दौरान कार्यशाला में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमति चैनवती ताराम उपस्थित रहीं, जिन्होंने किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 15 के तहत प्रभारंभिक अस्सिमेन्ट, सॉसल इन्वेस्टीगेशन रिपोर्ट, किशोर न्याय अधिनियम के तहत विभिन्न प्रकार के अपराध आदि के बारे में जानकारियाँ प्रदान की।

दो ट्रॉली बैग में महिला के कब्जे से जप्त हुआ 1.52 लाख कीमती 15 पैकेट गांजा

अनूपपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने बस स्टैण्ड अनूपपुर से 36 वर्षीय महिला को दो ट्रॉली बैग में भरे 15 किलो से अधिक गांजा अनुमानित कीमत 1.52 लाख रूपए के साथ पकड़ते हुए उसके खिलाफ धारा धारा 8/20 बी के तहत मामला दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने बस स्टेण्ड अनूपपुर में एक महिला यात्री बिजुरी थाना अंतर्गत छोट बेलिया अपने घर जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी। जिसके पास दो बैग रखे थे पूछताछ करने व बैगों की जांच में पाया कि गांजा भरा है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, सोमवार 29 अप्रैल 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

नहाने गये युवक की डूबने से मौत

नरसिंहपुर। खेत में कृषि कार्य करने गया किसान जब पास ही स्थित शेड नदी में नहाने गया तो गहराई में उतर गया। जिसके कारण उसकी डूबने से मौत हो गई है। पूरे मामले की जानकारी देते हुए मृतक के छोटे भाई ने जानकारी देते हुए बताया, कि मुंगवानी थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम खेरा में नीरज लोधी पिता योगेन्द्र लोधी उम्र 32 वर्ष और मां खेत में काम करने गए हुए थे, वही मां खेत में ही दाल, बाटी बना रही थी, किसान जब खेत का काम करने के बाद वापिस लौटा तो मां ने उसे नदी में नहाने के बाद, खाना खाने के लिए बोला। जिस पर किसान शेड नदी में नहाने उतर गया। काफी देर के बाद भी जब वह वापिस नहीं लौटा, तो मां ने उसे खोजना शुरू किया। मां जब नदी के किनारे पहुंची, तो वहां पर नीरज के कपडे.पडे.हुए थे। आस-पास काफी देर तक ढूंढने के बाद भी जब वह कही नहीं दिखा तो महिला को अपने पति के डूबने का संदेह हुआ। जिस पर उसने तत्काल ही अपने परिवार वालों को इसकी जानकारी दी। मौके पर परिजन पहुंचे और नीरज को ढूंढना शुरू कर दिया। स्थानीय पुलिस को भी घटना की जानकारी दी, तो पुलिस भी वहां पहुंची काफी दूर तक गोताखोरों के द्वारा ढूंढने के बाद नदी किनारे एक झाडी में नीरज का शव फंसा हुआ मिल गया। जिसके बाद नीरज को नदी से बाहर निकाला गया और जब अस्पताल लेकर पहुंचे तो चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव की पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रेन से कटा अज्ञात व्यक्ति का पैर उपचार जारी

नरसिंहपुर। रेल्वे ट्रेक पर एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़े होने की खबर 108 एम्बुलेंस को प्राप्त हुई थी, जिसके बाद मौके पर पहुंची एम्बुलेंस जब स्टेशन के पास स्थित रेल्वे ट्रेक पर पहुंचे तो देखा, कि एक व्यक्ति बेहोशी की अवस्था में ट्रेक के किनारे पड़ा हुआ था। जिसके बाद एएमटी और पायलट उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। पूरे मामले की जानकारी देते हुए अस्पताल पुलिस चौकी ने जानकारी देते हुए बताया, कि एक युवक स्टेशन के पास स्थित ट्रेक पर पड़ा हुआ था, जिसके बाद एम्बुलेंस को जानकारी मिलने पर वे उसे लेकर इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचे है। पुलिस का कहना है, कि युवक संभवत बाहर अन्य जिले या राज्य का रहने वाला है और आशंका व्यक्त की जा रही है, कि ट्रेन से नीचे गिरते समय ट्रेन की चपेट में आने से उसका पैर कट गया है। पुलिस का कहना है, कि घायल अभी भी बेहोशी की अवस्था में है। चिकित्सकों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। पुलिस का कहना है, कि युवक के होश आते ही उसकी शिनाख्त हो जायेगी। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अमेरिका से आकर चेतन में मतदान किया

करेली। अमेरिका से आकर चेतन यादव जोहरिया (करेली) मतदान केंद्र आकर मताधिकार का प्रयोग किया। 26 अप्रेल को मतदान के साथ ही शादियों की भरमार रही जिसके चलते कई दूल्हों ने बारात निकलने के पहले तो कई दुल्हनों ने बिदाई के पूर्व मतदान के महाकुंभ में अपने मत की आहुति देकर नई जीवन साथी के साथ जीवन की नई पारी की शुरूआत की।

38 घंटे बाद कड़ी मशक्कत के बाद दो किलोमीटर दूर मिला शव

नहर में नहाने के दौरान डूबे थे जबलपुर निवासी दो युवक

नरसिंहपुर

विगत दिवस थाना क्षेत्र गोटेगांव के लाठगांव बारात मे आये दो युवकों की नहर मे डूबने से मौत हो गई । जिसकी सूचना पलिस को दी गई सूचना के उपरांत पुलिस एवं गोताखोरों द्वारा बड़ी मशक्कत के बाद दूसरे युवक का शव भी खोज निकाला । थाना क्षेत्र गोटेगांव अंतर्गत आने वाली झोतेश्वर पुलिस चौकी क्षेत्र में नहाने के लिये गये हुये थे मिली जानकारी के अनसार युवक बरात मे आये हुये था और नहाने के लिये नहर मे चले गये जहां पर किनारे पर बैठकर शराब पी और नहाने के लिये नहर मे उतर गये जहां पर पैर फिसलने से उक्त हादसा घटित हो गया । पुलिस ने एक युवक का शव शनिवार को बरामद कर लिया था वही दूसरे का शव रविवार को 38 घंटे बाद पानी से निकाला गया । मौके पर मौजूद पुलिस ने शव का पंचनामा कार्रवाई करने के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए गोटेगांव स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुंचाया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

नहर किनारे पी शराब और उतर गए पानी में

जानकारी के अनुसार शादी समारोह में आए युवकों द्वारा

शराब पीकर नहा रहे थे युवक

शराब पी गई थी, नहर किनारे शराब पीने के पश्चात गर्मी अत्यधिक होने के चलते, दो लोग नहर में नहाने के लिए उतर गए, नहर में पानी का बहाव अत्यधिक था, नशे की हालत में युवकों को बहाव समझ में नहीं आया और वे नहर में पानी की धार में स्वंय को संभाल नहीं पाए और एक युवक बहने लगा, जिसको बचाने के प्रयास में जब दूसरा युवक वहां पर पहुंचा, तो वह भी तेज बहाव में बह गया। हालांकि एक युवक का शव शनिवार को ही मिल गया था, लेकिन दूसरे युवक का शव नही मिल पाया था, वही आज चले खोजी अभियान के बाद नहर में बहे दूसरे युवक का शव खोज लिया गया। पुलिस ने युवक के शव का पंचनामा कार्रवाई करने के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पैर फिसलने से हुआ हादसा

मौके पर मौदूद युवकों के अनुसार दोनो युवक नहाने के लिये नहर में उतरे थे, तभी अचानक समीर खान का पैर फिसल जाने की वजह से वह नहर के पानी में गिरकर पानी के तेज बहाव में बहकर आगे जाकर डूब गया। समीर खान को डूबते देख युवकों ने बचाव के लिए जोर.जोर से गांव को लोगों को आवाज लगाकर बुलाया। गांव वालों ने नहर में कूदकर काफी खोजबीन के बाद समीर को नहर के पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक पानी में डूबने की वजह से समीर खान की सांसे थम चुकी थी। जानकारी प्राप्त होते ही चौकी प्रभारी रितु उपाध्याय ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल करने के उपरांत मर्ग कायम शव को शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोटेगांव पहुंचा कर मामले की सूक्ष्मता से जांच प्रारंभ कर दूसरे युवक अकील खान की तलाश नहर के पानी में कराई जा रही थी।वही दूसरे युवक का शव रविवार की सुबह प्राप्त हुआ।

ये है पूरा मामला

गोटेगांव अंतर्गत ग्राम लाटगांव के पास स्थित नहर मे नहाते समय दो युवक के डूब जाने पर एक की मौत दूसरा युवक लापता थ, झोतेश्वर चौकी प्रभारी रितु उपाध्याय ने बताया कि मो. इस्माइल अंसारी पिता यूनुस अंसारी 21 बर्षीय बड़ा मदार छल्ला हनुमान ताल जबलपुर निवासी ने चौकी में आकर रिपोर्ट दर्ज कराई, कि 27 अप्रैल को वह अपने दोस्त साबिर खान लाटगांव निवासी की शादी में आया था, वहां पर उसके जीजा समीर खान भी शादी समारोह में आये थे, दोपहर लगभग 3 बजे के करीब उसके जीजा समीर खान और उसका दोस्त अकील खान, लाटगांव के पास स्थित नहर में नहाने के लिए गए हुए थे वो और उसका दोस्त नहर की सीढ़ी पर ऊपर बैठ गए समीर और अकील खान नहर में नीचे सीढ़ी पर बैठकर नहा रहे थे। उसी दौरान हादसा घटित हो गया।

युवती के प्रेम प्रस्ताव ठुकराने के बाद खाया जहर

नरसिंहपुर। करेली थाना अंतर्गत एक युवती द्वारा प्रेम का प्रस्ताव ठुकराने से वह इतना आहत हुआ, कि रेल्वे स्टेशन पर ही युवती के सामने साथ में लाई गई कीटनाशक दवा पी ली। थोड़ी देर बाद जब उसकी हालत खबरा होने लगी, तो वह सीधे जिला अस्पताल पहुंचा और चिकित्सकों को जहर खाने की जानकारी दी। जिसके बाद चिकित्सकों ने तत्काल ही उसको भर्ती कर उसका उपचार करना शुरू कर दिया है। नरसिंहपुर रेल्वे स्टेशन में घटना के प्रत्यक्षदर्शी बताते है, कि करेली थाना अंतर्गत बम्हौरी निवासी राजाराम जाटव पिता शिवराज जाटव उम्र 24 वर्ष एक युवती से प्रेम करता है, युवती रोजाना ही पढ़ने नरसिंहपुर स्थित कालेज में आती थी, राजाराम भी शनिवार को अपने प्रेम का इजहार करने की नियत से उसके साथ ही ट्रेन से नरसिंहपुर पहुंचा और युवती से अपने प्रेम का इजहार करने लगा, जिस पर युवती ने उसके प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा दिया। राजाराम ने युवती पर दबाव बनाने की नियत से जेब में रखी कीटनाशक की दवाई निकाली और उसे धमकाने लगा, बावजूद इसके जब युवती ने हां नहीं किया, तो युवक ने कीटनाशक को अपने गले के नीचे उतार दिया। हालांकि युवती अपने रास्ते निकल गई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद युवक की हालत खराब होने लगी, जिसके बाद वह अपनी जान बचाने के लिए स्वंय आटो से जिला अस्पताल पहुंचा, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार युवक की हालत स्थितर बनी हुई है। वही अस्पताल पुलिस चौकी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंटरनेशनल डांस डे पर विशेष आयोजन

नरसिंहपुर। नृत्य किसी एक देश की विरासत नहीं यह सारी दुनिया और प्रकृति का अपनी खुशी जाहिर करने का एक ऊर्जा से भरपूर तरीका जिसे करने और देखने वाले दोनों को ही प्रसन्नता का अहसास होता है। इसलिए समस्त संसार में 29 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस मनाया जाता तो इस अवसर पर काया योग एंड जूम्बा फिटनेस सेंटर की संचालिकाओं सुश्री इंदु सिंह व नमिता जनोरिया ने सहयोगी संस्था इंडियन डांस एकेडमी के सहयोग से डांस पर आधारित एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसकी थीम डांस के रंग प्रॉप्स के संग रखी गई थी। डांसर एंड कोरियोग्राफर नमिता जनोरिया के द्वारा हर ग्रुप को एक अलग प्रॉपर्टी का प्रयोग करते हुए अलग ढंग से नृत्य करवाया गया जिससे यह दिवस बेहद खास बन गया। प्रथम समूह में स्वाति सिंह, स्नेहा जैन, संगीता राम, मुक्ति राय, जया विश्वकर्मा ने नमिता जनोरिया के साथ राजस्थानी पोशाक धारण कर हाथों में तलवार लेकर राजस्थानी ढंग से नृत्य किया जिसकी प्रस्तुति मनमोहक थी। दूसरे समूह में प्रियंका शर्मा, पूजा साहू, शिवांगी साहू, काव्या कुंदनानी, शिखा साहू, ममता अवधिया ने नमिता जनोरिया के नृत्य निर्देशन में कुर्सी का उपयोग करते हुए नृत्य किया जिसका प्रस्तुतिकरण हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देने वाला था। अगले समूह में ताशी हीरानी, अंकिता जुनेजा, रानू श्रीवास्तव, आरती सिंह, कीर्ति पालीवाल,

मीना शर्मा, अनामिका धाकड़, साधना जैन, समृद्धि जायसवाल, विशाखा, सिद्धि पालीवाल, श्वेता शर्मा, ममता साहू ने नमिता जनोरिया के कदम से कदम मिलाकर बैडमिंटन और स्विस बॉल का बेहतरीन तरीके से प्रयोग करते हुए अनूठा नृत्य किया जिसमें एक्सरसाइजेज और डांस के कॉम्बिनेशन ने हर किसी को आकर्षित किया। कार्यक्रम की रूपरेखा और विषय का चयन सुश्री इंदु सिंह द्वारा नमिता जनोरिया के साथ मिलकर किया गया और इंटरनेशनल डांस डे को किस प्रकार अनोखे अंदाज में मना सकते इस पर विचार कर डांस के रंग प्रॉप्स के संग विषय का चयन किया गया। जिसके लिए नृत्य निर्देशिका नमिता जनोरिया ने विविध आइटम्स को नृत्य की स्टेप्स के साथ इस तरह से फिट किया कि सबने डांस भी किया और इस नए तरीके को एन्जॉय भी किया। जिसकी सबने सराहना की और नवाचार के लिए डांस डायरेक्टर की प्रशंसा भी की जिनके प्रयासों से नृत्य हमेशा नृत्य नहीं रहता वह विविधता और व्यायाम के सम्मिलन से फिटनेस का डोज भी बन जाता जो इस संस्था की विशेषता है।

शराब के लिए पैसे न देने पर भाजपा कार्यकर्ता से मारपीट

नरसिंहपुर। भाजपा कार्यकर्ता के साथ आदतन असामाजिक तत्वों ने शराब के लिए पैसों की मांग पूरी न होने पर बेतहाशा मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। मारपीट में हुई इस घटना से पीडित युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसका इलाज गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में करवाया जा रहा है। गोटेगांव थाना प्रभारी ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया, कि गोटेगांव निवासी हाजी कमरुद्दीन के छोटे पुत्र मोहम्मद रियाजुद्दीन पर शराब के लिए पैसे ना देने पर असामाजिक तत्व इमरान अली उर्फ सद्दाम, कृष्णा प्रजापति, गणेश उर्फ बिल्ली, स्वतंत्र चौधरी ने कांच की बोतल सिर पर मारकर उसे घायल कर लहूलुहान कर दिया है। जिसकी रिपोर्ट गोटेगांव थाना में पीड़ति द्वारा दर्ज कर दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन दो फरार आरोपितों को ढूढने का प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी गोटेगांव सहदेवराम साहू के अनुसार पुलिस ने सद्दाम और गणेश को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन घटना के बाद दो तत्व स्वतंत्र चौधरी और कृष्णा प्रजापति अभी तक फरार हैं। जिनकी पुलिस सरगर्मी से तलाश में जुटी हुई है। नगर के प्रतिष्ठित लोगों ने जालम सिंह पटेल, पूर्व मंत्री के निवास जाकर आए दिन हो रही घटना से अवगत कराया। उन्होंने भी इस घटना को लेकर अपना गुस्सा जताया। लोगों ने विधायक महेंद्र नागेश को भी घटना की जानकारी दी। उन्होंने घर जाकर रियाज से मुलाकात कर हाल जाना और उचित कार्यवाही की बात कही। बता दें कि रियाजुद्दीन खान भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ सदस्य हैं। नगरवासियों ने पुलिस अधीक्षक से निवेदन है, कि असामाजिक तत्वों की पुराने केस निकलवा कर उन पर जिला बदर की कार्यवाही की जाए।

मेमू ट्रेन में नहीं मिल पा रही बेहतर सुविधायें

नरसिंहपुर। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिये इटारसी से कटनी के बीच लोकल मेमू ट्रेन चलाई जा रही है लेकिन उक्त गाड़ी मे डिब्बे कम होने के कारण लोगो को समस्याओं से जूझना पड़ता है ट्रेन आये दिन देरी से चलती है वही डिब्बे कम होने के कारण छोटे स्टेशन के यात्री मेमू गाड़ी का वेसब्री से इंतजार करते है छोटे स्टेशनों पर सुविधा देने के हिसाब से गाड़ी सही है लेकिन लंबाई कम होने के कारण परेशानी उत्पन्न होती है प्रशासन को चाहिये की गाड़ी मे डिब्बे बढ़ाकर लोगो उचित सुविधायें मुहैया कराई जाये । भीड़ होने के कारण यात्रियों को नीचे बैठने के लिये मजबूर होना पड़ता है जबकि रेलवे द्वारा किराया पूरा लिया जाता है । ज्ञात हो कि मेमू गाड़ी मे अधिकांशतः गरीब व मध्यम वर्ग के लोग यात्रा करते है ।

गर्भवती महिला ने किया जहर का सेवन, इलाजरत

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर के स्टेशन गंज थाना अंतर्गत आने वाले झिरी कलां निवासी महिला ने जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया है। चिकित्सकों के अनुसार महिला को चार महीने का गर्भ भी है। अस्पताल पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार झिरी कलां निवासी माधवी चढ़ार पति भगवान चढ़ार ने अपने ही घर में जहर का सेवन कर लिया है। महिला के जहर खाने की जैसे ही जानकारी उसके परिवार वालों को लगी, तो वे उसे लेकर तत्काल ही जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसका इलाज शुरू कर दिया है। पुलिस का कहना है, कि महिला का उपचार अभी जारी है, जिसके कारण उसके बयान दर्ज नहीं किये जा सके है। पुलिस का कहना है, कि महिला के बयान दर्ज होने के बाद ही यह पता चल पायेगा, कि उसने जहर का सेवन किन कारणों के चलते किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर, परिवार वालों से पूछताछ शुरू कर दी है।

नहरों से पानी लेने हेतु आवेदन की अंतिम तिथि कल

नरसिंहपुर। वर्ष 2024 की ग्रीष्मकालीन फसलों की बरगी नहरों से सिंचाई के लिए जल लेने गोटेगांव, नरसिंहपुर एवं करेली तहसील के संबंधित ग्रामों के किसानों से 30 अप्रैल 2024 तक मांग पत्र एवं अनुबंध प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है, ताकि नहरों से ग्रीष्मकालीन फसलों के लिए निर्धारित तिथि से जल प्रवाह किया जा सके। इन ग्रामों में मुख्य नहर की आरडी 81.30 से 130.670 किमी तक वितरण प्रणालियों में क्रमशः सिवनी डिस्ट्रीब्यूटरी, भदगवां शाखा नहर, गुंदरई, बम्हनी, मगरधा, अंडिया, सुरगी, कंदेली व रहली डिस्ट्रीब्यूटरी और मुख्य नहर 81.30 से 130.670 किमी के बीच डायरेक्ट माइनरों से लगभग 14 हजार 126 हेक्टर भूमि में निर्मित नहर प्रणाली से ग्रीष्मकालीन फसलों की सिंचाई करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर डिस्नेट संभाग नरसिंहपुर के एस ठाकुर ने दी है। इस सिलसिले में कार्यपालन यंत्री ने संबंधित ग्रामों के किसानों से आग्रह किया है कि वे जल उपभोक्ता संथा कुटरी, इमलिया, वेदू, गुंदरई, बम्हनी, मगरधा, बेलखेड़ा, तिंदनी, ठेमी, बौछार, मचवारा, करकबेल, धमना, मैनावारी, नवलगांव, नंदवारा, झगरहाई, सूरजगांव, लुरहेटा, बरखेड़ा, निवारी, खुरपा, समनापुर (प्रस्तावित) एवं गोबरगांव के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर उप संभाग क्रमांक एक नरसिंहपुर, क्रमांक एक पाला, वितरण अनुविभाग करकबेल/ बरहेटा को 30 अप्रैल 2024 के पूर्व तक मांग पत्र एवं अनुबंध पत्र प्रस्तुत करें।

जर्जर विद्युत केबिल लाइन में आ रहे फाल्ट

तेंदूखेडा- 24 घंटे पर्याप्त बिजली की बात अब एक दिवा स्वप्न बनता चला जा रहा है। इन दिनों तेंदूखेड़ा सहित ग्रामीण क्षेत्रों की गंभीर बनीं हुई है। इस भीषण गर्मी में जहां आम जन जीवन अस्त-व्यस्त बना हुआ है। जर्जर विद्युत व्यवस्था के बीच केबिल लाइन कभी भी गर्म होकर धू-धू कर जलने लगती है। फिर घंटों लाइन बंद हो जायेगी। दूसरे दिन फिर मेंन्टेनेंस के नाम पर बगैर कोई सूचना घंटों बंद पड़ी रहती है। गर्मी में जैसे तैसे लोग कूलर पंखों का सहारा लेकर राहत लेना भी चाहें तो बगैर बिजली के उसको कष्ट भोगना पड़ता है। हमारे प्रतिनिधि को समीपी ग्राम से राहुल पाठक ने बताया कि ठेकेदार द्वारा सस्ती केवल लाइन बिछाकर खानापूर्ति कर दी गई है ।वहीं इसकी सूचना जब दूरभाष से विभागीय अधिकारियों को दी गई तो विभागीय अधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया और अब भीषण गर्मी में आए दिन केविल लाइन और ट्रांसफार्मर मैं फाल्ट उत्पन्न होता है । विद्युत आपूर्ति घंटों बाधित रहती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सुधार के नाम पर ग्रामीणों से पैसों की वसूली की जाती है तब कहीं जाकर विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से चालू हो पाती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि शासन शीघ्र ही इस समस्या की ओर ध्यान दें और केवल लाइन, ट्रांसफार्मर को बदल कर नया क्षमता वाला ट्रांसफार्मर और केबल लाइन बिछाए जिससे उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली मिलने के साथ किसी भी प्रकार से परेशानी ना हो।

गुटोरी सब स्टेशन मनमर्जी से चलता है

पिछले 15 दिनों से चुनाव के दिन को छोड़कर अन्य सभी दिनों में लगातार 7 से 8 घण्टे बिजली काटी जा रही है दिन भर में कभी दो कभी तीन घण्टे थ्री फेस सप्लाई एक दो घंटे सिंगल फेस सप्लाई चालू की जा रही है ।रात में भी बार बार आंख मिचैली कभी बोल्टेज कम तो कभी ज्यादा लगी रहती है ।तीन से चार घण्टे ही बिजली मिल पा रही है ।ऑपरेटर से पूछने पर जवाब मिलता है ऊपर से 33 सप्लाई बंद है ।कभी इंसुलेटर पंक्चर कभी जंफर का गलना कभी लीड कभी तार का टूटना कभी थ्री फेस टाइम में पेड़ों की कटाई और बाकी परमिट है कहकर बात खत्म कर दी जाती है ।ज्यादा है तो साहब से पूछो हम कुछ भी नहीं बता सकते।साहब सभी का फोन नहीं उठाते उठा भी लें तो दिखवाते हैं अभी चालू करवाते हैं। कहकर किसानों उपभोक्ताओं को आश्वासन का झुनझुना देकर दुबारा फोन नहीं उठाते।एक इंसुलेटर बदलने या जंफर जोड़ने में पूरा दिन लगा दिया जाता है ।मूंग व गन्ने की फसल सूकने लगी है इस साल रबी फसलें बर्बाद हो चुकी हैं थोड़ी बहुत उम्मीद मूंग गन्ने से है वो बिजली विभाग की मेहरबानी से पूरी हुई जा रही है ।कोई सुध लेने वाला नहीं है। किसानों के हितैषी होने का दम्भ भरने वाले लोग भी इन दिनों चुप होकर बैठे हैं। पीड़ति किसानों का कहना है कि शीघ्र समस्या का निराकरण किया जाए ।

12 लाख 47 हजार 298 मतदाताओं ने डाले वोट

तेंदूखेड़ा- होशंगाबाद नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र में 1247298 मतदाताओं ने मतदान किया जिसमें 687674 पुरुष मतदाता एवं 559594 महिला मतदाता तथा 30 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।लोकसभा संसदीय क्षेत्र 17 होशंगाबाद जिले के अंतर्गत आने वाली जिले की चारों विधानसभा में कुल 650505 मतदाताओं ने मतदान किया। इस दौरान 354373 पुरुष मतदाओं और 296108 महिला मतदाताओं सहित 24 थर्ड जेंडर मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। लोकसभा संसदीय क्षेत्र की नरसिंहपुर विधानसभा में कुल 156808 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 85555 पुरुष तथा 71251 महिला मतदाता एवं 2 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। तेंदूखेड़ा विधानसभा में कुल 133255 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 73897 पुरुष तथा 59358 महिला मतदाता ने मतदान किया। जबकि एक भी थर्ड जेंडर मतदाता ने अपने मताधिकार का उपयोग नहीं किया। गाडरवारा विधानसभा में कुल 145617 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 81548 पुरुष तथा 64067 महिला मतदाता एवं 2 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। रायसेन जिले के अंतर्गत आने वाली उदयपुरा विधानसभा में कुल 161113 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 92301 पुरुष तथा 68810 महिला मतदाता एवं 2 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। वही नर्मदापुरम जिले की बात करें तो सिवनीमालवा विधानसभा में कुल 172715 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 93593 पुरुष तथा 79116 महिला मतदाता एवं 6 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। होशंगाबाद विधानसभा में 139690 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 74727 पुरुषों और 64956 महिला मतदाताओं तथा 7 अन्य मतदाताओं ने मतदान किया। सोहागपुर विधानसभा में 167117 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 92859 पुरुषों और 74252 महिला तथा 6 अन्य मतदाताओं ने मतदान किया। पिपरिया विधानसभा में 170983 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 93194 पुरुषों और 77784 महिला मतदाताओं तथा 5 अन्य मतदाताओं ने मतदान किया ।संसदीय क्षेत्र की आठों विधानसभाओं में कुल 71.73 प्रतिशत पुरुषों ने,एवं 62.39 प्रतिशत महिलाओं ने तथा 56.6 प्रतिशत थर्ड जेंडर मतदाताओं ने मतदान किया।